मुद्रित पृष्ठों की संख्या : 3

BSKC-105

बी. ए. (ऑनर्स) (संस्कृत) कार्यक्रम
(बी. ए. एस. के. एच.)
सत्रांत परीक्षा
जून, 2023
बी.एस.के.सी.-105 : लौकिक संस्कृत साहित्य (नाटक)

समय : 3 घण्टे *अधिकतम अंक : 100*

नोट : *सभी प्रश्न* ***अनिवार्य*** *हैं। इस प्रश्न-पत्र में तीन खण्ड हैं।*

खण्ड—क

(व्याख्या आधारित प्रश्न)

1. अधोलिखित पद्यांशों की ससन्दर्भ व्याख्या कीजिए— 10×3=30

(क) छत्रं सव्यजनं सनन्दिपटहं भद्रासनं कल्पितं
न्यस्ता हेममयाः सदर्भकुसुमास्तीर्थाम्बुपूर्णा घटाः।
युक्तः पुष्यरथश्च मन्त्रिसहिताः पौराः समभ्यागताः
सर्वस्यास्य हि मङ्गलं स भगवान् वेद्यां वसिष्ठः स्थितः॥

अथवा

यदि न सहसे राज्ञो मोहं धनुः स्पृश मा दया
स्वजननिभृतः सर्वोऽप्येवं मृदुः परिभूयते।
अथ न रुचितं मुञ्च त्वं मामहं कृतनिश्चयो
युवतिरहितं लोकं कर्तुं यतश्छलिता वयम्॥

(ख) विचिन्तयन्ती यमनन्यमानसा
तपोधनं वेत्सि न मामुपस्थितम्।
स्मरिष्यति त्वां न स बोधितोऽपि सन्
कथां प्रमतः प्रथमं कृतामिव॥

अथवा

उद्गलितदर्भकवला मृग्यः परित्यक्तनर्तना मयूराः।
अपसृतपाण्डुपत्राः मुञ्चन्त्यश्रूणीव लताः॥

(ग) चीयते बालिशस्यापि सत्क्षेत्रपतिता कृषिः।
न शालेः स्तम्बकरिता वप्तुर्गुणमपेक्षते॥

अथवा

गुणवत्युपायनिलये स्थितिहेतोः साधिके त्रिवर्गस्य।
मद्भवननीतिविद्ये कार्यादार्ये द्रुतमुपेहि॥

खण्ड—ख

(लघु उत्तरीय प्रश्न)

2. भवभूति विरचित नाटकों का संक्षिप्त परिचय प्रस्तुत कीजिए। 5

3. नृत्य से नाट्योत्पत्ति के सिद्धान्त का विवेचन कीजिए। 5

4. 'मृच्छकटिकम्' नाटक के शैलीगत वैशिष्ट्य पर प्रकाश डालिए। 5

5. नान्दी तथा भरतवाक्य में क्या अन्तर है ? स्पष्ट कीजिए। 5

6. 'प्रतिमानाटक' के नामकरण की सार्थकता को स्पष्ट कीजिए। 5

खण्ड—ग

(दीर्घ उत्तरीय प्रश्न)

7. 'अभिज्ञानशाकुन्तलम्' नाटक की कथावस्तु पर प्रकाश डालिए। 10

8. 'मुद्राराक्षस' नाटक के वैशिष्ट्य का विवेचन कीजिए। 10

9. संस्कृत नाटकों के विकासक्रम का उल्लेख कीजिए। 10

10. निम्नलिखित में से किन्हीं ***तीन*** पर टिप्पणियाँ लिखिए : $5 \times 3 = 15$

    (क) पूर्वरङ्ग

    (ख) विदूषक

    (ग) जनान्तिक

    (घ) नायक